# आओ कन्हैया आओ मुरारी

*( तर्ज : तुम्हीं मेरे मन्दिर ..... )*

***आओ कन्हैया, आओ मुरारी***
***तेरे दर पे आया, सुदामा भिखारी***

क्या मैं बताऊँ, क्या मैं सुनाऊँ
एक दु:ख नहीं जो मैं, मन में छुपाऊँ
घट घट की जानते हो, तुम तो मुरारी

नैनों में आँसू, उठे ना कदम है
आओ कन्हैया अब तो, होठों पे दम है
आकर के देखो, दशा तुम हमारी

ना तो डगर है, ना कोई घर है
फटे हुए कपड़े है, तुझे सब खबर है
क्या तुम परीक्षा, लेते हमारी

आवाज मेरी, पहुँची नहीं क्या
दरबान ने तुझको, खबर दी नहीं क्या
क्या नींद में तुम, सोये मुरारी

क्या मुझसे दोष हुआ, हुआ क्या गुनाह है
दीनों का नाथ क्यों तू, निष्ठुर बना है
पाप किया है, क्या मैंने भारी

आओ कन्हैया, छूटे अब तो दम है
अगर अब ना आये तो, मेरी कसम है
मेरी कसम सुनकर, पहुँचे मुरारी